06-07-2021

एनएसआई गेट पर लगाया हवा की गुणवत्ता मापने का संयंत्र

कानपुर, 5 जुलाई। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर में उत्तर प्रदेश नियंत्रण बोर्ड की ओर से हवा की गुणवत्ता मापने के लिए संयत्र की स्थापना की गयी है। गुणवत्ता मापने के संयत्र की स्थापना संख्या एक में की गई है एवं इसका डिस्प्ले संस्थान के मुख्य द्वार के पास जीटी रोड पर लगाया गया है। एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि शहर के इस भाग में आबादी के तेजी से हो रहे विस्तार को देखते हुए यह आवश्यक प्रतीत हो रहा था कि इस क्षेत्र में प्रदूषण की स्थिति मापने और प्रदर्शित करने की व्यवस्था हो। अत उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से प्रस्ताव प्राप्त होते ही संस्थान ने शीघ्र इस कार्य को पूरा करने में अपना सहयोग दिया। उन्होंने आगे बताया कि भविष्य में स्थापित संयंत्र को सौर ऊर्जा संचालित करने की योजना है।

एनएसआई गेट पर दिखेगी प्रदूषण की स्थिति

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) के गेट पर लगे डिस्प्ले बोर्ड पर लोगों को प्रदूषण की स्थिति पता लग जाएगी। बोर्ड पर दो किमी के घेरे में प्रदूषण के बारे में पता लग जाएगा। यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने एनएसआई के छात्रावास-एक में हवा की गुणवत्ता मापने के लिए संयंत्र लगाया है। एनएसआई के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि कल्याणपुर क्षेत्र में आबादी का तेजी से विस्तार हो रहा है। इस क्षेत्र में प्रदूषण की स्थिति मापने के लिए संयंत्र लगवाया गया है। भविष्य में संयंत्र को सौर ऊर्जा से संचालित करने की योजना है। (ब्यूरो)

वायु गुणवत्ता मापने का संयंत्र लगाया

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने वायु गुणवत्ता मापने का संयंत्र लगाया है। इस संयंत्र की स्थापना संस्थान के छात्रावास संख्या 1 में की गयी है। संस्थान के कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी महेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि संयंत्र का डिस्प्ले संस्थान के मुख्य द्वार के पास जीटी रोड़ पर लगाया गया है। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन ने बताया कि शहर के इस भाग में आबादी के तेजी से हो रहे विस्तार को देखते हुए यह आवश्यक प्रतीत हो रहा था कि इस क्षेत्र में वायु प्रदूषण की स्थिति मापने और इसे प्रदर्शित करने की व्यवस्था की जाये। ऐसे में उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से प्रस्ताव प्राप्त होते ही संस्थान ने शीघ्र ही इस कार्य को पूरा करने में अपना पूरा सहयोग दिया। उन्होंने बताया कि भविष्य में स्थापित संयंत्र को सौर ऊर्जा से संचालित करने की योजना बनायी गयी है।

(एसएनबी)